कोसी में ७.७ प्रतिशत बच्चे 'बाल व्यापार' के शिकार

पटना। सेव द चिल्ड्रेन ने राज्य में पहली बार बाल व्यापार के अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार कोसी इलाके से ७.७ प्रतिशत बच्चे बाल व्यापार के शिकार हुए है। समाज कल्याण मंत्री ने शनिवार को सव द चिल्ड्रेन कार्यशाला में इस रिपोर्ट को जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार राज्य के कोसी में गरीबी एवं अभाव के संदर्भ में बच्चों का अवैध व्यापार हो रहा है। वर्ष २००८ में कोसी में भयंकर बाढ़ के बाद लोगों को गरीबी झेलने पर विवश होना पड़ रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कोसी इलाके से लोग रोजगार के लिए पलायन कर रहे है। इस इलके में गरीबी के कारण लोग कर्ज में डूब रहे है। अभिभावक अपने बच्चों के साथ असुरक्षित महसूस कर रहे है। बच्चों को काम पर बाहर भेज रहे है। मानव व्यापार में लिप्त लोग इसका फायदा उठा रहे है। इस सर्वेक्षण में उनके गरीबी, वर्तमान सेवाओं का उपयोग ओर कोसी के बाढ़ के प्रभाव के कारण बाल व्यापार के स्थिति का जायेजा लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक, भूमिहीन मजदूरों किसान, रोज काम करने वाले कामगार इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए है। सर्वेक्षण के अनुसार ये बच्चे या तो परिवार के साथ पलायन किये है। बाद में परिवार ने इन्हें काम के लिए किसी और को सुपुर्द कर दिया था। गांव में ही बच्चों को किसी व्यक्ति अर्थात बाल तस्कर के साथ भेज दिया था। बाल व्यापार के प्रमुख कारण के रूप में बेरोजगारी उभरा है। ६७ प्रतिशत लोगों ने बाल व्यापार एवं बाल मजदूरी के लिए बच्चों को भेजने का कारण बेरोजगारी मानते है।